समस्त संभावित प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे अपने शोध पत्र से सम्बन्धित सारांश (Abstract) 200 शब्दों में दिये गये ई-मेल rmvpaithani.seminar019@gmail.com पर Kruti Dev 10 फान्ट एवं साइज 14 में प्रस्तुत करें। सारांश (Abstract) प्रेषित करने की अंतिम तिथि 20 मई 2023 है तथा विषय और उप विषय से सम्बन्धित मौलिक एवं प्रासंगिक शोधपत्र प्रकाशन हेतु rmvpaithani.seminar019@gmail.com पर दिनांक 25 मई 2023 तक प्रेषित किया जा सकता है। जिसका प्रकाशन आई0एस0बी0एन0 युक्त सम्पादित पुस्तक में किया जायेगा। प्रकाशन शुल्क एकल लेखक के रूप में 800रू0 तथा युगल लेखक के रूप में 1000रू0 निर्धारित है, जिसे उपर वर्णित सेमिनार राठ महाविद्यालय के खाते में जमा किया जा सकता है।

## आयोजक मण्डल

**संगोष्ठी संयोजक** – डॉ0 जितेन्द्र कुमार नेगी
**संगोष्ठी सचिव** – डॉ0 प्रवेश कुमार मिश्र
**सह सचिव** – डॉ0 गोपेश कुमार सिंह
डॉ0 श्याम मोहन सिंह
श्री अरविन्द कुमार
श्री राम सिंह
**कोषाध्यक्ष**– डॉ0 अखिलेश सिंह

## आयोजन समिति

1. **पंजीकरण समिति** – डॉ0 बीरेन्द्र चन्द, डॉ0 मनजीत सिंह भण्डारी
2. **स्वागत समिति** – डॉ0 लक्ष्मी नौटियाल, डॉ0 दुर्गेश नन्दिनी
3. **प्रकाशन समिति** – डॉ0 शिवेन्द्र सिंह चन्देल, डॉ0 राजीव दूबे
4. **सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति** – श्री प्रदीप कुमार, डॉ0 राकेश कुमार
5. **अनुशासन समिति**– श्री उमेश चन्द्र बंसल, श्री राहुल सिंह
6. **मंच समिति**– डॉ0 देव कृष्ण, श्रीमती बन्दना सिंह
7. **विशिष्ट अतिथि व्यवस्था**– डॉ0 मनोज सिंह, डॉ0 रवि
8. **जलपान/भोजन व्यवस्था समिति**– श्री राजकुमार पाल, श्री संदीप लिंगवाल

## सलाहकार समिति

1. प्रो0 नारायण सिंह राव, इतिहास विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रिय विश्वविद्यालय, शिमला।
2. प्रो0 प्रदीप कुमार शर्मा, हिन्दी विभाग, सिक्किम केन्द्रिय विश्वविद्यालय गंगटोक, सिक्किम।
3. प्रो0 के0सी0 पुरोहित, पूर्व निदेशक, हे0न0ब0ग0वि0वि0 पौड़ी कैम्पस।
4. प्रो0 आर0 एस0 नेगी, पूर्व निदेशक, हे0न0ब0ग0वि0वि0 पौड़ी कैम्पस।
5. प्रो0 एम0 एम0 सेमवाल, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग हे0न0ब0ग0वि0वि0 श्रीनगर, गढ़वाल।
6. प्रो0 अजय दूबे, शिक्षा संकायाध्यक्ष, वीर बहादुर सिंह पू0वि0वि0 जौनपुर। (उ0प्र0)
7. प्रो0 रविशरण दीक्षित, इतिहास विभाग, डीएवी पी0जी0 कॉलेज, देहरादून।

## पंजीकरण प्रपत्र

नाम – .....

पदनाम – .....

विश्व विद्यालय/कालेज का नाम .....

.....

पता – .....

.....

मोबाइल नं – .....

ईमेल – .....

डी0डी0नं0/यू.पी.आई. नं0 .....

दिनांक .....

धनराशि .....

आवास व्यवस्था : हाँ /नही

शोधपत्र /सारांश का शीर्षक .....

हस्ताक्षर

**नोट** – कृपया आवास व्यवस्था के लिये संगोष्ठी की तिथि से दो दिन पूर्व मोबाईल नं0 8004043877 पर सम्पर्क करने का कष्ट करें ।

# एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

## "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : आयाम एवं क्रियान्वयन"

**27 मई 2023 शनिवार**

**संगोष्ठी स्थल**

## राठ महाविद्यालय पैठाणी

**प्रायोजक :**
राठ शिक्षा विकास समिति, पैठाणी
पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

**आयोजक :**
IQAC एवं बी0एड विभाग, राठ महाविद्यालय पैठाणी
पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

**मुख्य संरक्षक**
श्री गणेश गोदियाल (संस्थापक राठ महाविद्यालय पैठाणी)

**संरक्षक**
श्री दौलत राम पोखरियाल
(प्रबन्धक राठ महाविद्यालय पैठाणी)

**संगोष्ठी संयोजक**
डॉ0 जितेन्द्र कुमार नेगी
(प्राचार्य राठ महाविद्यालय पैठाणी)

**संगोष्ठी सचिव**
डॉ0 प्रवेश कुमार मिश्र
(असि0 प्रोफेसर) बीएड विभाग,
(राठ महाविद्यालय पैठाणी)

## संगोष्ठी के विषय में

किसी भी राष्ट्र का विकास वहां प्रचलित शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है, जिसके माध्यम से हम समाज का नैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास करते हैं। भारतवर्ष कभी विश्वगुरू की संज्ञा से सुशोभित रहा, जिसके पीछे हमारी शिक्षा व्यवस्था का प्रमुख योगदान रहा है। भारत वर्ष में तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय विद्यमान थे जो विश्व के अनेक देशों के विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। हमारी शिक्षा व्यवस्था ने ऐसे सामाजिक, आर्थिक व्यवस्थाओं का संचालन किया जिससे प्रत्येक व्यक्ति के पास रोजगार उपलब्ध रहा। मुगल आक्रान्ताओं और ब्रिटिश शासकों ने हमारी प्राचीन शिक्षा व्यवस्था पर प्रहार किया जिसके दुष्परिणाम से हम अद्यतन निकल नही सके हैं स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् तात्कालिक सामाजिक, आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप भारत सरकार द्वारा 1968, 1986 तथा 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों का निर्माण किया गया, जिसके माध्यम से शिक्षा को उत्कृष्ट बनाने का प्रयास किया गया। नई शिक्षा नीति 2020, जो लगभग 34 वर्षो के अन्तराल के बाद भारत सरकार द्वारा लाई गयी जिसके अन्तर्गत आमूल चूल परिवर्तन किया गया है। इस सन्दर्भ में यह कहा जा सकता है कि सरकार की इस नीति को वास्तविक धरातल तक पहुंचाने तथा फलीभूत करने का सशक्त माध्यम अध्यापक वर्ग है। अध्यापक ही इस नीति की सफलता को तय करेगा। जितना बेहतर अध्यापक वर्ग नीति की मंशा को समझ पायेगा तदनुरूप ही नीति फलीभूत होगी। राठ महाविद्यालय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के रूप में स्थापित है। इस संगोष्ठी के आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को जन-जन तक पहुंचाना तथा फलीभूत करना है।

## शीर्षक : ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : आयाम एवं क्रियान्वयन''

### : उपशीर्षक :

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : विश्लेषण एवं क्रियान्वयन।
2. कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा।
3. शिक्षा में तकनीकी का प्रयोग एवं नवाचार।
4. भारतीय बौद्धिक सम्पदा एवं आधुनिक भारत।
5. प्राचीन भारतीय योग पद्धति।
6. बहुविषयक शिक्षा के विविध आयाम।
7. नई शिक्षा नीति 2020 के सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव।
8. स्कूली शिक्षा में परिवर्तन एवं क्रियान्वयन।
9. उच्च शिक्षा में परिवर्तन एवं क्रियान्वयन।
10. प्राचीन शिक्षा पद्धति एवं उसकी प्रासंगिकता।
11. भारतीय भाषाओं का संवर्धन एवं संरक्षण।
12. कला और संस्कृति का संवर्धन एवं संरक्षण।

## राठ महाविद्यालय : एक संक्षिप्त परिचय

उत्तराखण्ड राज्य के पौड़ी गढ़वाल जनपद में विकासखण्ड थैलीसैंण के पैठाणी कस्बे में जिला मुख्यालय पौड़ी से लगभग 50 (पचास) किमी0 पूर्व पश्चिमी नयार नदी के तट पर स्थित राठ महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2003 में की गयी।

जनपद का यह भू-भाग विकास से कोसों दूर अशिक्षा और पिछड़ेपन से पीड़ित रहा है। आजादी के बाद भी यह क्षेत्र शिक्षा के अभाव में अनेक तरह की विषमताओं से घिरा रहा। यद्यपि आरम्भिक दौर में प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति ने जरूर कुछ विसंगतियों को समाप्त किया, परन्तु उच्च शिक्षा प्राप्त करना यहाँ के युवाओं का स्वप्न मात्र ही बना रहा। इस अभाव और वेदना को महसूस करते हुए इसी क्षेत्र के ग्राम बहेड़ी के युवा श्री गणेश गोदियाल जो सुदूर मुम्बई में एक स्थापित व्यवसायी के रूप में क्रियाशील थे, ने क्षेत्र के तमाम संभ्रान्तजनों, जागरुक नागरिकों व जनप्रतिनिधियों से सम्पर्क व सहयोग स्थापित कर ग्राम सभा पैठाणी के दानवीरों द्वारा दान की गई भूमि पर इस महाविद्यालय को आकार देना सुनिश्चित किया।

जुलाई 2003 में महज 30 छात्र-छात्राओं, प्राचार्य, सात प्राध्यापकों व 18 शिक्षणेत्तर कर्मियों के साथ यह ''मिशन उच्च शिक्षा'' प्रारम्भ हुआ, जो आगे चलकर नये कीर्तिमान गढ़ता चला गया।

26 मार्च 2015 को श्री गणेश गोदियाल (तत्कालीन विधानसभा सदस्य, उत्तराखण्ड) के निजी प्रयासों से इस महाविद्यालय को राज्य सरकार की अनुदानित श्रेणी में लाया गया है। वर्तमान समय में महाविद्यालय में बी0ए0, बी0एड0 एवं बी0पी0एड0 पाठ्यक्रम संचालित हैं, जिसमें लगभग 750 छात्र-छात्राऐं अध्ययनरत हैं।

## पैठाणी : एक संक्षिप्त परिचय

पौडी गढ़वाल जनपद के कोटद्वार (गढ़वाल का प्रवेश द्वार) से लगभग 150 किलोमीटर दूर स्थित पैठाणी (थैलीसैण ब्लाक) उत्तराखण्ड के मानचित्र में एक छोटे से गाँव के रूप में अंकित है। लेकिन यह एक छोटा सा गाँव राजनीतिक, धार्मिक एवं शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

उत्तराखण्ड में पर्यटन की दृष्टि से पैठाणी के महत्व को किसी भी अन्य स्थान से कमतर नही आंका नही जा सकता। पैठाणी एक पौराणिक गाँव है क्योकि इसका उल्लेख स्कन्दपुराण के केदारखण्ड में दर्ज है और दर्ज है इससे जुडे कई रोचक प्रसंग। केदारखण्ड के अनुसार राष्ट्रकूट पर्वत पर भगवान शिव ने कठोर तप किया था। केदारखण्ड में कहा गया है ''ऊँ भूर्भव स्वः राठीनापुरोहव पैठीन सिग्रोत्र राठो इहागेच्छिति।'' अर्थात् राहू के गोत्र पैठीनली के कारण इस गाँव का नाम पैठाणी पड़ा। राहू के अद्भुत मंदिर एवं राष्ट्रकूट पर्वत के कारण यह पूरा क्षेत्र राठ क्षेत्र कहलाता है। मान्यताओं के अनुसार पैठाणी स्थित प्रसिद्ध मन्दिर का निर्माण आठवीं शप्ताब्दी ईस्वी में आदि शंकराचार्य द्वारा करवाया गया। वर्तमान समय में इस मन्दिर की देख-भाल बद्री केदार मंदिर समिति द्वारा की जाती है।

**पंजीकरण** - पंजीकरण ऑनलाइन माध्यम से लिंक पर जाकर तथा ऑफलाइन माध्यम से महाविद्यालय में उपस्थित होकर किया जा सकता है।

https://forms.gle/ri2LAe2TPv2tTnGbA

**प्राध्यापक : रू0 700/-**

**शोध छात्र : रू0 350/-**

**छात्र : रू0 150/-**

**पंजीकरण शुल्क हेतु आवश्यक विवरण-**

**खाते का नाम**- सेमिनार राठ महाविद्यालय पैठाणी

**खाता संख्या- 41846025983**

IFSC Code - SBIN0007493

**शाखा**- एस0बी0आई0 पैठाणी, पौड़ी गढ़वाल।

इसके अतिरिक्त सेमिनार स्थल पर भी पंजीकरण शुल्क जमा किया जा सकता है।

**पंजीकरण हेतु सम्पर्क सूत्र-**

01. डॉ0 राजीव दूबे- 9675362906
02. डॉ0 शिवेन्द्र सिंह- 8004043877
03. डॉ0 बीरेन्द्र चन्द- 9557400895